कार्य पत्र 18

विषय हिंदी कक्षा-7

अध्यापिका- रेखा ठाकुर

पाठ 12 आर्ट का पुल

व्याकरण संबोध

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए—

क.	मतानुसार	'''मत''' + '''अनुसार'''	ङ.	परमेश्वर	'''परम''' + '''ईश्वर'''	ज.	इत्यादि	'''इति''' + '''आदि'''
ख.	परीक्षा	'''परि''' + '''ईक्षा'''	च.	सदैव	'''सदा''' + '''एव'''	झ.	प्रत्येक	'''प्रति''' + '''एक'''
ग.	पंचायत	'''पंच''' + '''आयत'''	छ.	यद्यपि	'''यदि''' + '''अपि'''	ञ.	नयन	'''ने''' + '''अन'''
घ.	सर्वोत्तम	'''सर्व''' + '''उत्तम'''						

2. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग और मूल शब्द अलग करके लिखिए—

क.	असंभव	'''अ''' + '''संभव'''	ङ.	सुगंध	'''सु''' + '''गंध'''	ज.	अभाव	'''अ''' + '''भाव'''
ख.	निवासी	'''नि''' + '''वासी'''	च.	उपहार	'''उप''' + '''हार'''	झ.	सरपंच	'''सर''' + '''पंच'''
ग.	प्रयत्न	'''प्र''' + '''यत्न'''	छ.	अनहोनी	'''अन''' + '''होनी'''	ञ.	सरहद	'''सर''' + '''हद'''
घ.	आहार	'''आ''' + '''हार'''						

3. **मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिए—**

क. आवश्यकता ‘‘‘आवश्यक’’’ + ‘‘‘ता’’’
ख. आश्रित ‘‘‘आश्रय’’’ + ‘‘‘इत’’’
ग. सभ्यता ‘‘‘सभ्य’’’ + ‘‘‘ता’’’
घ. ठेकेदार ‘‘‘ठेका’’’ + ‘‘‘दार’’’
ङ. नमकीन ‘‘‘नमक’’’ + ‘‘‘ईन’’’
ज. रूपवान ‘‘‘रूप’’’ + ‘‘‘वान’’’
च. प्रतिवाद ‘‘‘प्रति’’’ + ‘‘‘वाद’’’
छ. धार्मिक ‘‘‘धर्म’’’ + ‘‘‘इक’’’

4. **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए—**

क. पहले तो सारा इलाका एक ही था और उसका नाम भी एक ही थी।
उ. पहले सारे इलाके का नाम एक ही था।
ख. एक दिन ठेकेदार के आदमी चला गया।
उ. एक दिन ठेकेदार के आदमी चले गए।
ग. मैं तो वही कह रहा हूँ जैसा और लोग कहती हैं।
उ. मैं तो वही कह रहा हूँ जैसा और लोग कहते हैं।
घ. कृपया इस कहानी को कृपा करके अवश्य पढ़ें।
उ. कृपया इस कहानी को अवश्य पढ़ें।
ङ. पुल बनाने के प्रयत्न हो गए व्यर्थ थे सारे।
उ. पुल बनाने के सारे प्रयत्न व्यर्थ हो गए थे।

---

1. **गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—**

शादी हो गई ..... हो गया था।

क. दरिया के किनारे प्रतिदिन क्या होने लगा?

उ. दरिया के किनारे प्रतिदिन सायंकाल मेला लगने लगा। दोनों तरफ़ के लोग किनारों पर बैठकर एक-दूसरे के संगीत का आनंद उठाने लगे।

ख. दोनों तरफ़ के लोग अपनी तरफ़ के किनारों पर क्यों बैठने लगे?

उ. दोनों तरफ़ के लोग अपनी तरफ़ के किनारों पर एक-दूसरे के मधुर संगीत को सुनने के लिए बैठने लगे थे।

ग. दोनों तरफ़ छप्पर क्यों बनाए गए?

उ. वर्षा से बचने के लिए दोनों तरफ़ छप्पर बनाए गए।

घ. गीत और सितार की मधुर आवाज़ों से किस तरह दोनों इलाकों के बीच नफ़रत का एहसास खत्म हो गया?

उ. गीत और सितार की मधुर आवाज़ों ने दोनों तरफ़ के लोगों में एक-दूसरे के प्रति-प्रेम को बढ़ा दिया और उनके बीच नफ़रत का अहसास खत्म हो गया।

2. संक्षेप में उत्तर लिखिए—

क. कैसे पता चलता है कि इलाका बहुत उपजाऊ था?

उ. सारे इलाके में खेत, बाग, जंगली पौधे, फूल और झाड़ियाँ फैली हुई थीं। उस इलाके के वासियों को अपने जीवन की आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए किसी और इलाके पर आश्रित नहीं होना पड़ता था।

ख. लोगों के अनुमान से गड्ढा किसलिए खोदा गया था?

उ. कुछ लोगों का अनुमान था कि गड्ढा बिजली के तारों को खंभे के ऊपर से ले जाने के स्थान पर धरती के नीचे दबाने के लिए खोदा गया था। कोई कहता था कि इस इलाके में टेलीफ़ोन आने वाला है और यह टेलीफ़ोन की लाइन बिछाने के लिए खोदा गया है।

ग. दोनों तरफ़ के लोगों को किनसे स्पर्धा होती थी और क्यों?

उ. दोनों तरफ़ के लोगों को कोयलों, फ़ाख्ताओं और मैनाओं से स्पर्धा होती थी क्योंकि ये पक्षी जो बिना किसी बंधन के नाले के इस पार के पेड़ों से उड़कर उस पार के पेड़ों पर बैठ जाते थे और इस पार के खेत से उड़कर उस पार के खेत में दाने चुगते थे। जबकि वे लोग नाले के आर-पार नहीं जा पाते थे।

घ. नाव बनाने का विचार क्यों छोड़ दिया गया?

उ. जब पहली नाव बनी तो नाव में ज़हरीले साँप घुस गए और उन्होंने दो मुसाफ़िर को डस लिया। मुहम्मद खान ने पंचायत में भी नाव चलाने की बात रखी तो वहाँ मुखिया जी ने विरोध किया। इस तरह नाव बनाने का विचार छोड़ दिया गया।

3. विस्तार से उत्तर लिखिए—

क. एक छोटा-सा गड्ढा बड़े दरिया में कैसे बदल गया?

उ. इलाके में एक गड्ढा खोदा गया। यह गड्ढा दिन-प्रतिदिन गहरा होता चला गया। किसी ठेकेदार ने इसकी सुध नहीं ली। यह सूखा नाला इसी तरह पड़ा रहा। वर्षा आई और यह पानी से भर गया। इसके किनारे धीरे-धीरे टूटने लगे और इसने एक नदी का रूप धारण कर लिया। फिर पहाड़ियों की पिघली बर्फ़ भी बहकर इसमें मिलने लगी। इस तरह कुछ वर्षों में छोटा-सा गड्ढा एक बड़ा दरिया बन गई।

ख. मुहम्मद खान की पुत्री का रिश्ता क्यों टूट गया?

उ. मुहम्मद खान के रिश्ते के लोग दरिया के उस पार रहते थे। दरिया पर कोई पुल भी नहीं था जिससे कि लोग इस पार से उस पार आ जा सकें। दरिया में नाव भी नहीं चलती थीं। पुल बनाने के सारे प्रयास व्यर्थ हो गए थे और पुल बनता भी था तो जल्दी ही टूट भी जाता था। धीरे-धीरे दोनों तरफ़ के लोगों में भी संबंध विच्छेद हो गया। इन्हीं सब कारणों से मुहम्मद खान की पुत्री का रिश्ता टूट गया था।

ग. पुल बनाने के सारे प्रयत्न व्यर्थ क्यों हो गए?

उ. जब भी पुल बनता था एक मौसम भी नहीं टिक पाता था। सरदी में बनता था तो, गरमी में टूट जाता था। पहाड़ों से आने वाले पानी का वेग भी बहुत अधिक होता था। दरिया के किनारे भी टूट जाते थे। फिर पुल मिट्टी और लकड़ी से बनाया जाता था। बहते पानी से किनारों की मिट्टी बह जाती थी। इस तरह पुल बनाने के सभी प्रयत्न व्यर्थ हो गए थे।

घ. नाला बनने से पहले और बाद में इलाके में आए परिवर्तनों की तुलना कीजिए।

उ. नाला बनने से पहले सारा इलाका एक ही था और उसका नाम भी एक ही था। इलाका बहुत उपजाऊ था। खेतों से अनाज, पैसों से मकान बनाने और जलाने के लिए लकड़ियाँ, भट्टों से पकी हुई ईंटें, बागों से फूल, फल, साग-सब्ज़ी आदि सब

कुछ मिल जाता था। फिर नाला बना और नाले ने बड़े दरिया का रूप ले लिया। इस दरिया ने पूरे इलाके को दो भागों में बाँट दिया। लोगों के विचार बदले, रहन-सहन, खान-पान और दुख-सुख बदले। मुखिया जैसे लोगों ने अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए लोगों के बीच नफ़रत के बीज बो दिए और दोनों तरफ़ के लोगों ने एक-दूसरे से नाता तोड़ लिया।

ङ. मुखिया दूसरी तरफ़ के लोगों को अपनी तरफ़ क्यों नहीं आने देना चाहता था?

उ. मुखिया लोगों को विभाजित करके शोषण करना चाहता था। वह जानता था कि जब तक ये लोग बँटे रहेंगे तब तक इनका मनमाने तरीके से शोषण किया जा सकेगा। इसलिए मुखिया नहीं चाहता था कि उस पार के लोग और इस पार के लोग एक हों।

च. भाई के लड़के की शादी के दिन मुहम्मद खान ने क्या किया? उसका अन्य लोगों पर क्या असर हुआ?

उ. मुहम्मदखान के भाई के बेटे का विवाह के दिन वह बहुत उदास था। दरिया के उस पार शहनाई की आवाज़ सुनाई दे रही थी। शहनाई की आवाज़ बहुत सुरीली थी। मुहम्मद खान दरिया के किनारे बैठा आवाज़ को सुन रहा था। वह दरिया को पार नहीं कर सकता था। शहनाई की आवाज़ दरिया के पानी से टकराकर और भी सुरीली हो गई थी। देखते ही देखते कुछ और लोग मुहम्मद खान के पास आ बैठे। उन्हें भी वह संगीत बहुत मधुर लगा। और फिर लोगों को इसका चस्का लग गया। प्रतिदिन सांय लोग दरिया किनारे आकर बैठने लगे।

आशय स्पष्ट कीजिए—

क. दरिया के बनने से मुहम्मद खान का भाई दूसरी तरफ़ रह गया। मुहम्मद की लड़की की शादी उसके भाई के लड़के से बचपन में ही तय हो गई थी। जब मुहम्मद खान की लड़की शादी लायक हुई तो उसने अपनी पत्नी से अपने पार के गाँव में से रिश्ता ढूँढ़ने को कहा। उसे लगा कि दरिया के बनने से इस पार के लोगों का रिश्ता उस पार के लोगों से खत्म हो गया है। तब उसकी पत्नी ने समझाया कि खून के रिश्ते कोई दरिया नहीं तोड़ सकता अर्थात भाई हमेशा भाई रहेगा। दरिया दूरी बढ़ा सकता है पर रिश्ते खत्म नहीं कर सकता।

ख. इस दरिया ने दोनों तरफ़ के लोगों को मिलने-जुलने से रोक दिया था। मुखिया जैसे स्वार्थी लोगों ने भी उन्हें बाँटने का प्रयास किया। मुखिया ने दरिया में नाव भी नहीं चलने दी जिससे इस पार के लोग उस पार न जा पाएँ। पर संगीत ने दोनों तरफ़ के लोगों के दिलों से नफ़रत को हटा आपसी भाईचारा बढ़ा दिया। दोनों तरफ़ के लोग किनारों पर बैठकर एक-दूसरे का संगीत शौक से सुनते और पकवान खाते हुए पिकनिक मनाते। इस तरह संगीत ने दरिया पर पुल का काम किया जिसे मुहम्मद खान ने 'आर्ट का पुल' का नाम दिया और मुखिया को बताया कि अब लोगों को दरिया पार करने के लिए नाव की ज़रूरत नहीं है क्योंकि वे संगीत अर्थात आर्ट के पुल के सहारे आसानी से उस पार चले जाते हैं।